Model: Duastro-Personality-Horoscope

SrNo: 115-120-105-3261 / 74 Date: 12/01/2024

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **01/01/1999**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **12:00:00 घंटे**
इष्ट	: 08:00:49 घटी
स्थान	: **london**
देश	: United Kingdom

अक्षांश	: 57:09:00 उत्तर
रेखांश	: 02:06:00 पश्चिम
मध्य रेखांश	: 00:00:00 पश्चिम
स्थानिक संस्कार	: -00:08:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 11:51:36 घंटे
वेलान्तर	: -00:03:25 घंटे
साम्पातिक काल	: 18:34:24 घंटे
सूर्योदय	: 08:47:40 घंटे
सूर्यास्त	: 15:36:30 घंटे
दिनमान	: 06:48:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 16:46:29 धनु
लग्न के अंश	: 03:19:58 मेष

चैत्रादि संवत / शक	: 2055 / 1920
मास	: पौष
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 15
तिथि समाप्ति काल	: 26:49:34
जन्म तिथि	: 15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 09:04:43 घंटे
जन्म नक्षत्र	: आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग	: ब्रह्म
योग समाप्ति काल	: 24:32:09 घंटे
जन्म योग	: ब्रह्म
सूर्योदय कालीन करण	: विष्टि
करण समाप्ति काल	: 16:07:55 घंटे
जन्म करण	: विष्टि

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	: मेष – मंगल
राशि–स्वामी	: **मिथुन – बुध**
नक्षत्र–चरण	: **आर्द्रा – 1**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: ब्रह्म
करण	: विष्टि
गण	: मनुष्य
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: कू–कुणाल
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

घात चक्र

मास	: आषाढ़
तिथि	: 2-7-12
दिन	: सोमवार
नक्षत्र	: स्वाति
योग	: परिघ
करण	: कौलव
प्रहर	: 3
वर्ग	: मूषक
लग्न	: कर्क
सूर्य	: मीन
चन्द्र	: कुम्भ
मंगल	: मेष
बुध	: मकर
गुरु	: वृष
शुक्र	: मिथुन
शनि	: कुम्भ
राहु	: कर्क

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:19:58	1033:32:22	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	———
सूर्य			धनु	16:46:29	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	08:26:35	14:34:53	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	24:47:21	00:29:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	28:07:45	01:24:09	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:10:25	00:08:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	02:10:09	01:15:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	02:56:06	00:00:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:58:02	00:06:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:58:02	00:06:33	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:08:34	00:03:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	———
नेप			मक	07:14:11	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	———
प्लूटो			वृश्चि	15:17:29	00:02:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	———
दशम भाव			धनु	14:03:08	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:25

लग्न–चलित

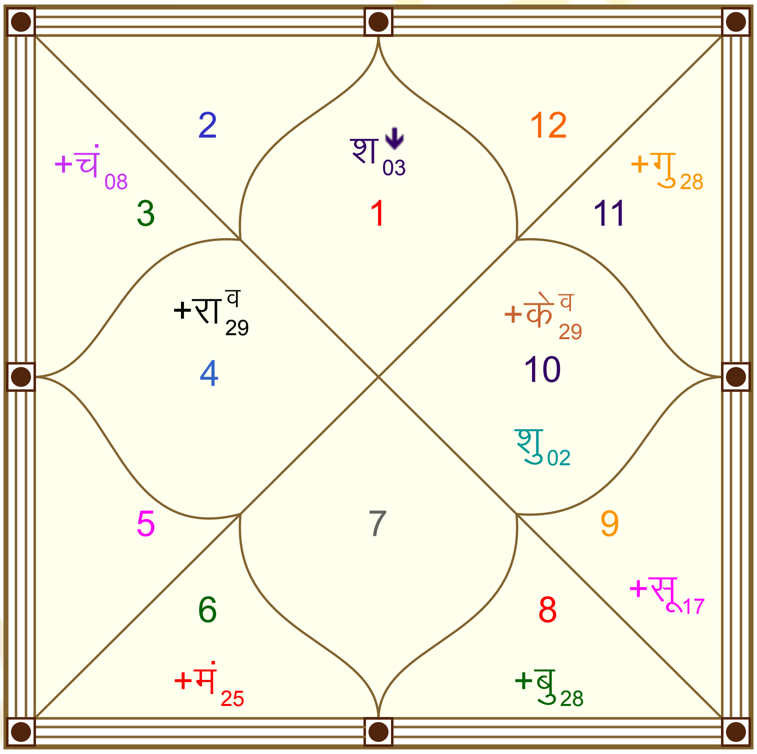

चन्द्र कुंडली

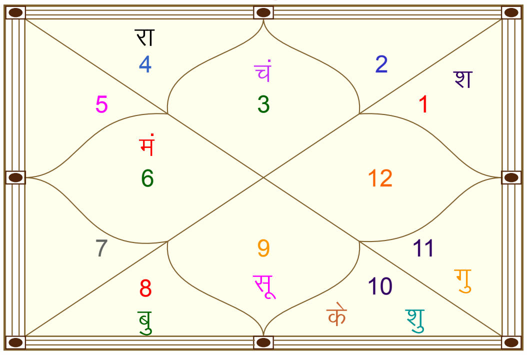

नवमांश कुंडली

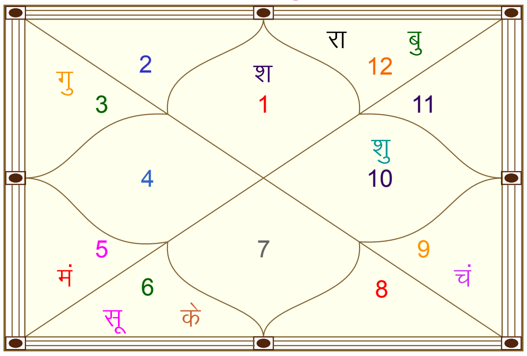

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

नक्षत्रफल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ हैं। अतः आपकी जन्म राशि मिथुन तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ण शूद्र, वर्ग मार्जार, नाड़ी आद्य, गण मनुष्य तथा श्वान योनि होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रथम अक्षर "कु" से प्रारम्भ होगा। यथा कुलदीप, कुलानन्द।

आप अपने जीवन काल में व्यस्तता या अन्य कारणों से भोजन समय पर लेने में प्रायः असमर्थ रहेंगे। आप में शारीरिक लावण्यता भी अल्प मात्रा में ही विद्यमान रहेगी। आपके स्वभाव में क्रोध की प्रवलता रहेगी तथा छोटी छोटी बातों पर आप अनावश्यक क्रोध का प्रदर्शन करेंगे साथ ही समाज में अन्य जनों से उपकृत होने पर आप उनके उपकार को अल्प मात्रा में ही स्वीकार करेंगे। आप दया एवं करूणा के स्थान पर कठोरता का प्रदर्शन अधिक मात्रा में करेंगे। आप समीपस्थ सम्बन्धियों के प्रिय रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी।

क्षुधाधिको रूक्षशरीरकान्ति बन्धुप्रियः कोपयुतः कृतघ्नः।
प्रसूति काले च भवेत्किलार्द्रा दयाद्रचेता न भवेन्मनुष्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक क्षुधा से आतुर, रूक्ष शरीर वाला, कुपित रहने वाला, कृतघ्न तथा दया से हीन होता है।

आपमें चंचलता का भाव प्रबलरूप से विद्यमान रहेगा तथा आप किसी भी कार्य को स्थिर मन से करने में असमर्थ रहेंगे। साथ ही आप एक स्थान पर स्थिर नहीं रहेंगे तथा नित्य परिवर्तन की इच्छा करेंगे। आपके पास धनार्जन भी मध्यम रूप से ही होगा परन्तु शारीरिक बल से आप सर्वदा पूर्ण रहेंगे एवं अपने वाहुबल से समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आपकी शिक्षा भी मध्यम ही रहेगी परन्तु आचरण श्रेष्ठ रहेगा।

कृतघ्नः गर्वितोहीनः नरो पापरतः शठः।
आर्द्रानक्षत्र सम्भूतो धनधान्य विवर्जितः।।
मानसागरी

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य कृतध्न, गौरव विहीन, पापी तथा धन एवं धान्य से हमेशा हीन होता है।

आपके मन में अभिमान का भाव भी नित्य विद्यमान रहेगा साथ ही आपको अत्यन्त परिश्रम से महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त होंगी। आपका सामान्य जीवन संघर्षमय रहेगा एवं परिश्रम पूर्वक आप जीविकार्जन करेंगे। अन्य लोगों के प्रति आपमें सामान्यतया प्रेम का भाव ही रहेगा

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अतः सामाजिक जनों से आप सौहार्द अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

शठगर्वितः कृतघ्नो हिंस्रः पापश्च रौद्रर्क्षे।
बृहज्जातकम्

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र का जातक कुटिल हृदय वाला, अभिमानी, कृतघ्न, हिंसक प्रवृति वाला तथा पाप कर्म करने वाला होता है।

आपका जन्म ताम्रपाद में हुआ है। अतः जीवन में आप धन वैभव से प्रायः सुसम्पन्न ही रहेंगे तथा सुखपूर्वक जीवन में इसका उपभोग करेंगे। काव्यशास्त्र के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप परिश्रमपूर्वक ख्याति भी अर्जित करेंगे। भाइयों के प्रति आपके मन में पूर्ण स्नेह रहेगा तथा उनको आप हमेशा अपने ओर से प्रत्येक क्षेत्र में पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे। सुन्दर वस्त्रों के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा तथा इनको पहनने एवं संग्रह करने में आपकी पूर्ण रूचि रहेगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा आप एक बलशाली पुरूष होंगे। साथ ही आप पराक्रम से भी युक्त रहेंगे एवं शौर्योचित कार्यों को करने के लिए सर्वदा उद्यत तथा तत्पर रहेंगे। आप सामान्यतया प्रसन्नचित रहेंगे। परन्तु आपका स्वभाव कृपण होगा। इसके अतिरिक्त आप एक विद्वान एवं सौभाग्यशाली पुरूष भी रहेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

आपने मिथुन राशि में जन्म लिया है। अतः आप के नेत्र अल्प रक्तता के साथ श्यामल वर्ण के होंगे तथा सिर के बाल घुंघराले होंगे। आपके समस्त शरीर के अंग स्वस्थ तथा सुडौल होंगे तथा आपकी नासिका भी उन्नत होगी। आप विभिन्न प्रकार के शास्त्रों का अध्ययन करेंगे तथा उनका विषद् रूप से ज्ञान प्राप्त करेंगे। आप दूत या सन्देशवाहक के कार्य करने में अति निपुण होंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त ही तीक्ष्ण होगी तथा इसी तीक्ष्णता के कारण आप सम्मुख खडे अन्य व्यक्तियों की मन की बात को शीघ्र ही जान लेने में सफलता प्राप्त करेंगे। आपका व्यवहार अन्य लोगों के साथ अत्यन्त ही विनयशील रहेगा फलतः समाज में आप प्रशंसा के पात्र होंगे। आपकी वाणी अत्यन्त ही श्रेष्ठ एवं मधुर होगी जो श्रोताओं को हर्ष प्रदान करेगी। आप हंसने तथा हंसाने के कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न करेंगे। संगीत तथा नृत्य में आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इनके विषय में आपको पर्याप्त ज्ञान होगा।

स्त्रीलोलः सुरतोपचारकुशलताम्रेक्षणः शास्त्राविद्।
दूतः कुञ्चिद् मूर्धजः पटुमति हास्योङ्गित द्यूतवित्।।
चार्वाङ्गाः प्रियवाक् प्रभक्षण रूचिर्गीतप्रियो नृत्यवित्।
क्लीबैर्याति रतिं समुन्नतश्चन्द्रे तृतीयर्क्षगे।।
बृहज्जातकम्

आपकी हथेली मत्स्य चिन्ह से सुशोभित होगी तथा नसें भी शरीर से बाहर दिखाई देंगी तथा लम्बाई भी आपकी अधिक होगी। आपका रूप अत्यन्त सुन्दर तथा दर्शनीय होगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

काव्य लेखन की प्रतिभा नैसर्गिक रूप से आप में विद्यमान रहेगी। अतः साहित्य के प्रति भी आपके मन में अभिरूचि रहेगी। आप अपने जीवन में समस्त सांसारिक तथा भौतिक सुखों का उपभोग करने वाले होंगे। लेकिन आप अपने अधिकाँश समय को विषय वासनाओं में लिप्त रहकर बिताएगें। आप सर्वदा सौभाग्यशाली पुरूष सिद्ध होंगे। साथ ही स्त्री जाति के वश में रहेंगे तथा उनसे पराजित रहेंगे।

उन्नासश्यामचक्षु सुरतविधिकला काव्यकृद्भोग भोगी।
हस्ते मत्स्याधिपाङ्को विषय सुखरतो बुद्धिदक्षः सिरालः।।
कान्तः सौभाग्य हास्य प्रियवचनयुतः स्त्रीजितौ व्यायताङ्गो।
याति क्लीबैश्च रतिकर्म संख्यशशिनि मिथुनगे मातृयुग्मप्रपुष्टः।
सारावली

आप दीर्घकाल तक जीवित रहेंगे तथा सम्पूर्ण जीवन हास्य प्रिय रहेंगे। आप भ्रमण या यात्रा भी समयानुसार करते रहेंगे। घर के अन्दर रहकर भी आप आनन्दानुभूति करेंगे।

दीर्घायुः सुरतोपचारकुशलो हास्यप्रियो युग्मके।।
जातकपरिजातः

आपका सामाजिक क्षेत्र विस्तृत रहेगा तथा समाज के सभी वर्गों में आप खूब लोकप्रिय रहेंगे। स्त्रीवर्ग आपसे अत्यन्त आकर्षित रहेगा तथा आप उनमें अत्यन्त प्रिय एवं आदरणीय समझे जाएगें। आप अपनी सज्जनता तथा योग्यता से सामाजिक सम्मान एवं गौरव को प्राप्त करेंगे।

प्रियकरः करमत्स्ययुतोनरः सुरतसौख्यभरो युवतीप्रियः।
मिथुन राशि गतौहिम गौ भवेत्सुजनतजनताकृत गौरवः।।
जातकाभरणम्

आप अपने भाषण या लेखन में श्लिष्टयुक्त भाषा का प्रयोग करेंगे परन्तु अन्यजन स्पष्ट रूप से उनके अर्थ को समझने में सफल रहेंगे। आप अपने बन्धुबान्धवों तथा अन्य सामाजिक लोगों की सेवा तथा सहायता करने में भी सदैव तत्पर रहेंगे। आपकी प्रकृति पित्त तथा कफ से मिश्रित होगी तथा आपका चाल चलन हमेशा उत्तम रहेगा।

मृदुरूपचित्तगात्रः श्लिष्टविस्पष्टवाक्यः।
परजनहितकर्ता पंडितौ हास्य युक्तः।।
प्रकृति शुभचरित्रं श्लेष्मचित्त स्वभावो।
भवति मिथुन जातो गीतवाद्यानुरक्तः।।
जातक दीपिका

चंचलता का आधिक्य हमेशा आपके नेत्रों में विद्यमान रहेगा। नृत्य एवं संगीत के आप अनन्य प्रेमी होंगे। आप अपने धनैश्वर्य, दयालुता तथा सद्व्यवहार के कारण दूर दूर

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

तक यश को प्राप्त करेंगे। आपकी आकृति दीर्घ होगी तथा भाषण देने की कला में भी चतुर होंगे। आप पक्के निश्चय वाले आदमी होंगे। जिस बात का मन में एकबार संकल्प कर लेंगे उसे पूर्ण करके ही छोड़ेंगे। साथ ही आप न्याय में भी विश्वास करेंगे।

मृदुवाक्यो लोलदृष्टिर्दयालु मैथुनप्रियः।
गान्धर्ववित् कासरोगी कीर्तिभोगी धनी गुणी।।
गौरोदीर्घः पटुर्वक्ता मेधावी च दृढव्रतः।
समर्थो न्यायवादी च जायते मिथुने जनः।।
मानसागरी

आप मनुष्य गण में उत्पन्न हुए हैं अतः आप स्वभाव से ही धार्मिक प्रवृति के होंगे। आपकी देवताओं तथा ब्राह्मणों में पूर्ण श्रद्धा होगी तथा श्रद्धानुसार इनका पूजन एवं सत्कार करते रहेंगे। आप में अहंकार का भाव यदा कदा जागृत रहेगा। मन से आप दयालु होंगे तथा दीन दुःखियों की यथा शक्ति सेवा तथा सहायता करेंगे। आप एक से अधिक कार्यों के जानने वाले भी होंगे। परिश्रम से आप ज्ञानार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आपका शरीर सुन्दर एवं कान्तिमय रहेगा। इसके अतिरिक्त आप बहुत से लोगों को सुख प्रदान करने वाले होंगे। ज्ञान का भण्डार भी आपके पास रहेगा।

आप जीवन भर धन तथा मान सम्मान से युक्त रहेंगे तथा इनका आपको कभी भी अभाव नहीं रहेगा। निशाने बाजी की कला में आप अत्यन्त चतुर होंगे। आपका शरीर गौरवर्ण का होगा तथा सम्पूर्ण नगरवासियों को आप वश में करने वाले होंगे अर्थात आप किसी नगर या समूह के एक सम्माननीय व्यक्ति हो सकते हैं। साथ ही आखें आपकी देखने में बड़ी बड़ी होंगी।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

श्वानयोनि में उत्पन्न होने के कारण आप हमेशा परिश्रम पूर्वक कार्य करते रहेंगे। आप का मन हमेशा उत्साह से परिपूर्ण रहेगा। आप बहादुर भी होंगे तथा बिना किसी भय के समस्याओं का मुकाबला करेंगे लेकिन अपने भाई बन्धुओं से आपका मेल जोल कम ही रहेगा। आपस में झगड़ा या मनमुटाव चलता रहेगा। माता पिता के आप अत्यन्त प्यारे होंगे तथा निश्छलता पूर्वक आप आजीवन उनकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

सोद्यमः सुमहोत्साही शूरः स्वज्ञाति विग्रही।
मातृपित्रो सदाभक्तः श्वानयोनौसमुद्भवः।।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

मानसागरी

अर्थात् श्वान योनि में उत्पन्न जातक उद्यमी, उत्साह से परिपूर्ण, शूरवीर, अपने बन्धुवर्ग से द्वेष रखने वाला तथा माता पिता का भक्त होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति तृतीय भाव में है। अतः माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपके प्रति उनका पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपकी सहायता करने के लिए वे नित्य तत्पर रहेंगी। साथ ही शक्ति, साहस एवं पराक्रम में आपकी वृद्धि में वे सदैव सहायक रहेंगी। इसके अतिरिक्त वे आपको समय समय पर अच्छा भोजन खिलाने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए प्रायः तत्पर रहेंगे। साथ ही यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु इससे आपके मधुर संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी पूर्ण सेवा तथा आर्थिक सहायता तथा अन्य प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार असुविधा नहीं होने देंगे। इसके लिए आप सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में है अतः भाईयों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नही रहेगा एवं आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा। जीवन में वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों तथा क्षेत्र में आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से आपको किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही शत्रुवर्ग से भी वे आपकी नित्य रक्षा करने में तत्पर रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं हमेशा उनको अपना

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सामान्य रूप से मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में क्षणिक तनाव की स्थिति रहेगी परन्तु कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उनकी वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से भी सहयोग देंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने में तत्पर रहेंगे।

आपके लिए आषाढ़ मास, द्वितीया, सप्तमी तथा द्वादशी शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष की तिथियां, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग, सोमवार तृतीय प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल देने वाले रहेंगे। अतः आप 15 जून से 14 जुलाई के मध्य 2,7,12 तिथियों, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग तथा चतुष्पाद करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, लेन देन या क्रय विक्रय आदि कार्य सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही सोमवार, तृतीय प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इससे भी अशुभ फल ही अधिक होंगे। इन दिनों तथा समय में शरीर की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो व्यापार में हानि, नौकरी या प्रोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हो अथवा मानसिक शान्ति भंग हो रही हो तो ऐसे समय में आपको नियमित रूप से प्रातः तथा सायं काल गणेश जी के दर्शन करने चाहिए। साथ ही पन्ना, हरित वस्त्र, मिश्री, गुड़, घी इत्यादि पदार्थों का भी दान करना चाहिए इससे अनिष्ट फलों में न्यूनता होगी तथा शुभ फलों में बृद्धि होगी। साथ ही आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं–दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक–सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय–विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

कदापि व्यवहार में न लाएं।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE